

डोला- डोला sss भू उम्बर डोला sss ॥२॥  
 नित नई खोज करेइंसा जब, दिल सागर का डोला sss ॥२॥

हर भोजन की समग्री में, की है खूब मिलावट  
 सभी गुणों से युक्त बनी है, सुंदर लिखी लिखावट  
 तन मानव का बना दिया है sss ॥२॥ चलता फिरता चोला sss ॥२॥

डोला- डोला ----

ज्ञान पतंगी दिखलाकर के, नजरो को चमकाया  
 मौत के साधन रोज बनाकर, धन भी खूब कमाया  
 मृत्यु के खुद बने विधाता sss ॥२॥ ज्ञान जहर में डोला sss ॥२॥

डोला- डोला ----

होता ज्ञान तो समझ भी जाते, कैसे हमको जीना  
 सिद्ध हो गया है क्रिया से, नाहक बहा पसीना  
 अब लौं चेत जरा ओ बंदे sss ॥२॥ न कर टाल मटोला sss ॥२॥

डोला- डोला ----



देख तबाही रोज-रोज की, मौत लगी खुद रोने  
चलती. फिरती लाशों को तुम, लगे हो हँस कर देने  
रोगों की रागों में पड़कर <sup>sss</sup> ॥२॥ चढ़े काठ के डोला <sup>sss</sup> ॥२॥

डोला-डोला-....

पंच महाभूतों की कीमत, दो कौड़ी कर डाली  
अम्बर-धरा-अग्नि-जल-वायु, खुद ही बने सवाली  
सत्य-धर्म-भक्ति को तुमने <sup>sss</sup> ॥२॥ बिन कीमत में लौटा <sup>sss</sup> ॥२॥

डोला-डोला-....

आज सनातन पंगु हुआ है, कोई नहीं रखवाला  
गऊ-ब्राम्हण-कन्या-रोली, कौन है सुनने वाला  
हँसते-हँसते सुन "श्री बाबा श्री" की <sup>sss</sup> ॥२॥ द्वार स्वर्ग का खोला-  
<sup>sss</sup> ॥२॥

डोला-डोला <sup>sss</sup> भू अम्बर डोला <sup>sss</sup> ॥२॥

नित नई खोज करे इंसा जब, दिल सागर का डोला <sup>sss</sup> ॥२॥

डोला-डोला-....